स्वच्छ पेय जल की पहल

जिला मुख्यालय से 47 कि.मी. की दूरी पर मिलीवाटरशेड- रोडोपाली IWMP-17 का परियोजना कार्यालय अवस्थित हैं। परियोजना में 21 जलग्रहण समितियां हैं एवं परियोजना क्षेत्र का कुल स्वीकृत रकबा 6730 हेक्टेयर है। परियोजना क्षेत्र की कुल आबादी 14278 है। जिसमें 11.23% अनुसुचित जनजाति, 59.04% अनुसुचित जाति एवं 29.71% अन्य पिछड़ा वर्ग के लोग निवासरत है। इनमें 60.03% परिवार गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करते है, भूमिहीन, सीमांत एवं लघु कृषकों की संख्या 39.97% है।

मिलीवाटरशेड रोडोपाली औद्योगिक क्षेत्र से लगा हुआ है। जिसके कारण अधिकांश गांव में स्वच्छ पेय जल की समस्या बनी रहती है।

जलग्रहण मिशन की मूल अवधारणा है ग्रामीणों की सर्वोपरी समस्या का समाधान किया जाना मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप जलग्रहण विकास दल के सदस्यों ने ग्रामीणों की मांग पर अधिकांश ग्रामों में स्वच्छ पेय जल उपलब्ध कराना ही सुनिश्चत किया। ग्रामीणों ने अवगत कराया की मुड़ागांव में पेय जल में आयरन की मात्रा अधिक होने के कारण अक्सर लोग बीमार पड़ते रहते है। अतः WDT दल ने ग्राम - मुड़ागांव में स्थल जल प्रदाय योजना के तहत बोर खनन, पानी टंकी एवं पंप फीटिंग का कार्य किया गया है।

ग्राम पतरापाली में स्वच्छ पेय जल की समस्या से निजात दिलाने हेतु 300 मी. की लंबाई में पाईप लाईन विस्तार कर 08 जगह टेप नल कनेक्सन की व्यवस्था की गई है जिससे गांव के समस्त परिवारों को स्वच्छ पेय जल मिल सके।

पाईप लाईन कार्य पतरापाली

औद्योगिक क्षेत्र होने के कारण इस क्षेत्र में सब्जियों के दाम आसमान छूते रहते हैं। जलग्रहण मिशन में आस्था मूलक कार्यों के अर्तगत ग्राम कठरापारा के इंदिरा आवस मुहल्ला में रिग कुंआ का निर्माण कराया गया है जिससे कि बाड़ी विकास कार्यक्रम को बढ़ावा दिया जा सके। गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले इंदिरा आवस के हितग्राहियों को उन्ही की निजी भूमि में रिग कुंआ का निर्माण कर स्वरोजगार से जोडने की पहल की गई है। रिग कुंआ निर्माण से पेय जल की उपलब्धता के अतिरिक्त साग-सब्जी उत्पादन का कार्य भी किया जा रहा है ।

ग्राम रेंगालबहरी में प्राथमिक शाला केन्द्र संचालित है जिसमें अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को अक्सर पीने के पानी की समस्या बनी रहती थी जिसके निराकरण के लिए स्थल जल प्रदाय योजना के तहत पेय जल टंकी का निर्माण किया जा रहा है।

इस प्रकार जलग्रहण प्रबंधन के द्वारा ग्रामों के लोगों की मूलभूत आवश्यकताओं के विकास के लिए आस्थामूलक का कार्य किया गया है।

पानी को तरसते हैं
धरती पे काफी लोग यहाँ
पानी ही तो दौलत है
पानी सा धन भला कहां